राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–122/2026

राज्यपाल ने वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा की

पटना 08 जुलाई, 2026 :– माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार लोक भवन में वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की और सभी विश्वविद्यालयों को अपने पुस्तकालयों में पुस्तकों के साथ–साथ पत्रिकाओं, जर्नलों एवं समाचार पत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निदेश दिया। उन्होंने पुस्तकालयों में वाचनालय की व्यवस्था करने तथा विद्यार्थियों की सुविधा के अनुरूप पुस्तकालय का समय निर्धारित करने का भी निदेश दिया। उन्होंने ई–लाइब्रेरी से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार करने का भी निदेश दिया।

राज्यपाल ने निदेश दिया कि जिन विद्यार्थियों को नौकरी अथवा अन्य रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं, उनकी डिग्री सत्यापन संबंधी प्रतिवेदन प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र प्रेषित किए जाएँ, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने यह भी निदेश दिया कि स्ववित्तपोषित व्यवस्था के अंतर्गत केवल व्यावसायिक एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों का ही संचालन किया जाए, नियमित अथवा परंपरागत पाठ्यक्रमों का नहीं। उन्होंने वित्तीय अनुशासन पर बल देते हुए विश्वविद्यालयों को समुचित एवं प्रभावी वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के लिए एक दीर्घावधि योजना तैयार करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग प्रशासनिक एवं शिक्षण, दोनों क्षेत्रों में करने का निदेश दिया।

उन्होंने भविष्य निधि से संबंधित मामलों का शीघ्र समाधान करने का निदेश दिया। साथ ही, उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालयों की सामान्य समस्याओं यथा– वेतन सत्यापन कोषांग से जुड़ी कठिनाइयों व बकाया वेतन एवं पेंशन का भुगतान और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत विश्वविद्यालय कर्मियों के अंशदान की राशि आदि से संबंधित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने तथा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए एक सुविचारित दीर्घावधि योजना तैयार करने को कहा।

आगे पृष्ठ 2.....पर

राज्यपाल ने कहा कि महाविद्यालयों में प्रधानाचार्यों की नियुक्ति योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया के माध्यम से की जानी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए एक सुविचारित दीर्घावधि योजना की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय में पृथक परीक्षा भवन होना चाहिए, ताकि परीक्षा के दौरान नियमित कक्षाएँ प्रभावित न हों। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना पर भी बल दिया।

बैठक में कुलपति प्रो० शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय बिहार का पहला विश्वविद्यालय है, जहाँ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों, शैक्षणिक एवं अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियों, भावी योजनाओं, चुनौतियों तथा आधारभूत संरचना की वर्तमान स्थिति आदि की भी विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

.....